दि प्लास्टिक एक्स्पोर्ट प्रमोशन कौन्सिल
(भारत सरकार,वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,वाणिज्य विभाग द्वारा प्रायोजित)
THE PLASTICS EXPORT PROMOTION COUNCIL
(Sponsored By The Ministry Of Commerce & Industry, Deptt. Of Commerce, Government Of India)

प्लेक्सकाउंसिल (PLEXCONCIL)

इंडिया – ग्लोबल बायर-सेलर मीट (BSM) @ K फेयर 2025, डसेलडोर्फ, जर्मनी

दिनांक: 10 अक्टूबर 2025

हॉल नंबर 1 – कमरा नंबर 15 | समय: सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक

(बिना किसी सब्सिडी के)

भारतीय प्लास्टिक उद्योग @ K फेयर – जर्मनी

आदरणीय महोदय/महोदया,

प्लेक्सकाउंसिल की ओर से शुभकामनाएं!

प्लेक्सकाउंसिल यह घोषणा करते हुए हर्ष महसूस कर रहा है कि वह 10 अक्टूबर 2025 को K फेयर 2025 (डसेलडोर्फ, जर्मनी) के दौरान हॉल 1 – कमरा 15 में सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक इंडिया-ग्लोबल बायर-सेलर मीट (BSM) का आयोजन करेगा।

इस BSM का उद्देश्य भारतीय निर्यातकों को वैश्विक खरीदारों से जोड़ना, व्यापार के नए अवसर प्रदान करना और अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बाजार में भारत की भागीदारी को सशक्त बनाना है।

भारत का प्लास्टिक निर्यात क्षेत्र अपार संभावनाओं से भरा हुआ है, विशेषकर ग्वाटेमाला, कोस्टा रिका, मैक्सिको और कई अफ्रीकी देशों जैसे उभरते बाजारों में। भारत ने वर्ष 2027 तक प्लास्टिक निर्यात को मौजूदा 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

बढ़ती वैश्विक मांग

मध्य और दक्षिण अमेरिका के देशों में प्लास्टिक की मांग तेजी से बढ़ रही है, विशेषकर पैकेजिंग, कंज़्यूमर गुड्स और निर्माण क्षेत्र में। ब्राज़ील, मैक्सिको, अर्जेंटीना और कोलंबिया जैसे देश भारत के प्रमुख व्यापार साझेदार हैं। इसके अलावा, कई लैटिन अमेरिकी देश अपनी आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाना चाहते हैं और चीन पर निर्भरता कम करना चाहते हैं – जिससे भारत एक भरोसेमंद और प्रतिस्पर्धी विकल्प बनकर उभरता है।

यह BSM भारतीय निर्यातकों के लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने, नेटवर्किंग बढ़ाने और साझेदारी के नए अवसर तलाशने का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा।

बाजार सारांश

भारतीय प्लास्टिक निर्यात की संभावनाएं बहुत अधिक हैं, जो बढ़ती मांग, रणनीतिक पहलों और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारतीय निर्माताओं की क्षमता से प्रेरित हैं। इस क्षेत्र की पूर्ण संभावनाओं को साकार करने के लिए लॉजिस्टिक्स व प्रतिस्पर्धा से जुड़ी चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसमें भारत सरकार व निर्यातकों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

K फेयर के बारे में

K फेयर 2025 एक अद्वितीय वैश्विक प्लेटफॉर्म है जहाँ प्लास्टिक व रबर उद्योग के दिग्गज एकत्रित होते हैं, नवीनतम रुझानों से प्रेरणा लेते हैं और भविष्य के लिए व्यापारिक समझौते करते हैं। यह मेले के माध्यम से प्रतिभागियों को प्लास्टिक प्रोसेसिंग और नई तकनीकों की जानकारी मिलती है।

यह उद्योग विशेषज्ञों और अग्रणी प्रतिनिधियों के साथ संवाद करने का एक आदर्श अवसर है। पूरी दुनिया के पेशेवर इस मेले में भाग लेते हैं, विशेष रूप से सेंट्रल, साउथ अमेरिका, अफ्रीका और यूरोप के खरीदार। यह उनके लिए भारत की यात्रा से अधिक सुविधाजनक है। अधिकांश खरीदार इस फेयर को किसी भी हाल में मिस नहीं करते।

इसलिए, K फेयर के दौरान भारतीय प्लास्टिक उद्योग का BSM आयोजित करना खरीदारों से मिलने का उत्तम अवसर प्रदान करता है।

BSM प्रारूप

10 अक्टूबर 2025 को भारतीय कंपनियों के साथ आधिकारिक बैठकें तय की जाएंगी ताकि खरीदार अपनी आवश्यकताओं पर चर्चा कर सकें।

प्रत्येक भारतीय कंपनी को उत्पादों के प्रदर्शन के लिए सामान्य टेबल स्पेस प्रदान किया जाएगा।

प्रत्येक कंपनी से केवल 2 प्रतिनिधियों को अनुमति होगी।

प्रत्येक सदस्य को उनके समय स्लॉट के अनुसार खरीदारों से एक-के-बाद-एक बैठकें करने का अवसर मिलेगा।

<u>भागीदारी शुल्क</u>

सदस्य:

इच्छुक सदस्यों से अनुरोध है कि वे संलग्न आवेदन फॉर्म भरें (कृपया "एक्सहिबिशन" के स्थान पर "India-Global BSM" अंकित करें) और ₹60,000/- (साठ हजार रुपये मात्र) + 18% GST का भुगतान करें।

गैर-सदस्य:

गैर-सदस्यों से अनुरोध है कि वे भी आवेदन फॉर्म भरें (कृपया "एक्सहिबिशन" के स्थान पर "India-Global BSM" अंकित करें) और ₹75,000/- (पचहत्तर हजार रुपये मात्र) + 18% GST का भुगतान करें।

बैंक विवरण आवेदन फॉर्म में दिए गए हैं।

कृपया ध्यान दें कि चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा, क्योंकि स्थान सीमित है।

भुगतान शेड्यूल

आवेदन के साथ 100% अग्रिम (वापसी न होने योग्य) भुगतान आवश्यक है। कृपया आवेदन फॉर्म में ऊपर BSM अंकित करें, Exhibition के स्थान पर। अंतिम तिथि: 5 जुलाई 2025।

कृपया ध्यान दें: इस आयोजन के लिए भारत सरकार या प्लेक्सकाउंसिल की ओर से कोई सब्सिडी प्रदान नहीं की जाएगी।

सादर,

श्रीबाश दासमोहेपतरा

कार्यकारी निदेशक

PLEXCONCIL